

उन्नेता वि. (तत्.) 1. आगे बढ़ाने वाला, उन्नति के मार्ग पर ले जाने वाला 2. यज्ञ संपन्न कराने वाला एक विशिष्ट ऋत्विज।

उन्मंडल पुं. (तत्.) खगो. खगोलीय ध्रुवों और विषुवों से होकर या खगोलीय ध्रुवों और अयनांतों से होकर जाने वाला होरा-वृत्त।
colure

उन्मज्जक वि. (तत्.) नहाकर नदी या जल से बाहर आने वाला, पुं. एक प्रकार का तपस्वी।

उन्मज्जन पुं. (तत्.) नहाकर जल से बाहर आना विलो. निमज्जन।

उन्मत्त वि. (तत्.) 1. नशे में चूर, मतवाला 2. पागल 3. सनकी 4. आवेश में आया हुआ पुं. धतूरा।

उन्मत्त प्रलाप पुं. (तत्.) 1. पागलों की या पागलों जैसी बकवास 2. निरर्थक बड़बड़ 3. पागलों या नशे में धुत लोगों की बहकी-बहकी बातें।

उन्मत्तक वि. (तत्.) 1. पागल 2. नशे में चूर।

उन्मत्ता स्त्री. (तत्.) उन्मत्त होने का भाव मतवालापन, पागलपन।

उन्मथन पुं. (तत्.) 1. बिलोड़ना 2. हिलाना 3. छेड़ना 4. क्षुब्ध करना 5. मारण।

उन्मथित वि. (तत्.) 1. मथा हुआ या बिलोया हुआ 2. जिसे उत्तेजित या अशांत कर दिया गया हो 3. हत 4. आहत 5. पीड़ित 6. मर्दित।

उन्मद वि. (तत्.) 1. मतवाला 2. पागल पुं. नशा, पागलपन।

उन्मन वि. (तत्.) 1. उद्विग्न 2. अन्यमनस्क, अनमना 3. दुखी, उदास 4. उत्कंठित।

उन्मना वि. (तत्.) 1. अन्यमनस्क 2. उत्कंठायुक्त 3. उद्विग्न प्रयो. जब पुर-वनिता आ पूछती थी संदेसा, तब मुख उनका थीं देखती उन्मना हो।

उन्मनी स्त्री. (तत्.) हठयोग की पाँच मुद्राओं में से एक। समाधि की एक मुद्रा जिसमें भौहों के मध्य में या नासिकाग्र पर ध्यान को एकाग्र किया जाता है।

उन्मर्दन पुं. (तत्.) 1. मलने की क्रिया, रगड़ना 2. शरीर में मलने का एक सुगंधित द्रव्य।

उन्माद पुं. (तत्.) 1. पागलपन, सनक 2. एक रोग जिसमें मन और बुद्धि का समन्वय समाप्त हो जाता है और इच्छा/वासना में वृद्धि हो जाती है, mania 3. अत्यधिक अनुराग 4. एक संचारी भाव।

उन्मादक वि. (तत्.) उन्मादग्रस्त करने वाला, उन्मत्त करने वाला पुं. धतूरा।

उन्मादन पुं. (तत्.) 1. उन्मत्त कर देने की प्रक्रिया 2. कामदेव के एक बाण का नाम।

उन्मादी वि. (तत्.) उन्मादग्रस्त, उन्मत्त, बेसुध, बावला।

उन्मान पुं. (तत्.) 1. तौल, माप, धारिता, आयतन, शुद्धता आदि मान 2. किसी वस्तु का द्रव्यात्मक मूल्य 3. प्राचीन भारत की तौल की एक इकाई, द्रोण।

उन्मार्ग पुं. (तत्.) 1. उल्टा मार्ग (विपरीत दिशा में ले जाने वाला) 2. कुमार्ग 3. विपरीत आचरण/व्यवहार 4. अधर्म।

उन्मार्गगामी वि. (तत्.) उन्मार्ग का अनुयायी। दे. उन्मार्ग।

उन्मेषी वि. (तत्.) 1. (नेत्र) खोलने वाला 2. (पुष्प) खिलाने वाला।

उन्मिषित वि. (तत्.) 1. कुछ खुला हुआ (नेत्र) 2. खिला हुआ (पुष्प) 3. थोड़ा प्रकाशित (आकाश, सूर्योदय काल) 4. प्रफुल्ल (हृदय)।

उन्मीलन पुं. (तत्.) 1. खुलना (आँख का) 2. खिलना 3. विकसित होना, व्यक्त होना।